भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1079

सोमवार, 2 दिसम्बर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी

†1079. श्री मनोज तिवारीः
श्री रोडमल नागरः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्री आलोक शर्माः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी पहलों के विशिष्ट उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन पहलों से पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय समुदायों की भूमिका किस प्रकार बढ़ने की संभावना है;

(ग) पर्यटन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान में सुधार करने के लिए इन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले संभावित प्रशिक्षण और सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त पहलें किस प्रकार सामुदायिक सहभागिता और आर्थिक विकास के संबंध में सरकार के व्यापक लक्ष्यों के अनुरुप हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी के नाम से एक राष्ट्रीय जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन पहल शुरू की है। यह पहल भारत के 6 पर्यटन स्थलों, यथा ओरछा (मध्य प्रदेश), गंडिकोटा (आंध्र प्रदेश), बोधगया (बिहार), आइजोल (मिजोरम), जोधपुर (राजस्थान), और श्री विजयपुरम (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) पर शुरू की गई।

इस पहल के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य गंतव्यों पर पर्यटकों के लिए समग्र अनुभव को बढाना है, जहाँ वे 'पर्यटक-हितैषी' ऐसे लोगों से मिलते हैं, जो अपने गंतव्य के

दूत और कहानीकार के रूप में वहाँ के गौरव हैं। यह उन सभी व्यक्तियों को पर्यटन से संबंधित प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान करके किया जा रहा है, जो एक गंतव्य विशेष पर पर्यटकों से वार्तालाप करते हैं और उनसे जुड़े हुए रहते हैं।

'अतिथि देवो भव:' अभियान के तहत, कैब चालकों, ऑटो चालकों, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, बस स्टेशनों के स्टॉफ, होटल स्टॉफ, रेस्तरां स्टॉफ, होमस्टे मालिक, टूर गाइड, पुलिस कर्मियों, स्ट्रीट वेंडर, दुकानदारों, छात्रों और अन्य लोगों को पर्यटन, आम स्वच्छता, सुरक्षा, स्थिरता के महत्व और पर्यटकों को सर्वोच्च स्तर के आतिथ्य एवं देखभाल प्रदान करने के महत्व पर भी प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की गई।

इस वर्ष 15 अगस्त को कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से, इस पहल के तहत 3,500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है।

विश्व पर्यटन दिवस 2024 पर, पर्यटन मंत्रालय ने देश के 50 पर्यटन स्थलों पर 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' नामक पहल का विस्तार किया है।

****